एक नजर में

साध्वी उपेन्द्रयशाश्री की निश्रा में 25 मार्च से नवपद ओली आराधना, पत्रिका लेखन से उद्घाटन

पिपलिया स्टेशन (निप्र)। आध्यात्मिक साधना और तप की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए बही तीर्थ में नवपद ओली आराधना का शुभारंभ पत्रिका लेखन के साथ किया गया। आयोजन 25 मार्च से साध्वी उपेन्द्रयशाशाश्री की पावन निश्रा में प्रारंभ होगा। कार्यक्रम को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। पत्रिका लेखन शुभारंभ अवसर पर बही तीर्थ अध्यक्ष अशोक कुमठ ने कहा कि तन से अधिक घातक मन की बीमारी होती है, जिसका उपचार केवल तप, त्याग और धर्म आराधना से संभव है। नवपद ओली एक विशिष्ट और प्रभावी आराधना है, जिसमें साधक नौ दिनों तक अत्यंत संयमित जीवन शैली अपनाते हुए बिना मिर्च-मसाले, तेल-घी के सादा भोजन ग्रहण करते हैं तथा केवल उष्ण (गरम) जल का सेवन करते हैं। यह तप आत्मशुद्धि, मनोबल वृद्धि और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करता है। कुमठ ने धार्मिक प्रसंग का उल्लेख करते हुए बताया कि प्राचीन काल में श्रीपाल-मयणासुंदरी ने नवपद ओली की आराधना कर कुष्ठ रोग से मुक्ति प्राप्त की थी। उन्होंने कहा कि नवपद की आराधना आत्मकल्याण के साथ मोक्षमार्ग की ओर अग्रसर होने का सशक्त माध्यम है। तीर्थ ट्रस्टी दिलीप डांगी ने जानकारी दी कि 25 मार्च से प्रारंभ होने वाली इस आराधना में प्रतिदिन विशेष पूजन, नवपद की आराधना, प्रवचन, स्वाध्याय एवं धर्मचर्चा के आयोजन होंगे। साध्वी उपेन्द्रयशाश्री के सान्निध्य में श्रद्धालुजनों को धर्मलाभ प्राप्त होगा। आयोजन की तैयारियां तीर्थ ट्रस्ट द्वारा पूर्ण कर ली गई हैं। पत्रिका लेखन कार्यक्रम के दौरान शेतानमल रांका, डॉ. प्रकाश जैन, भावेष लूणावत, संदीप धींग, मनोज जैन, प्रभुलाल छाजेड़ सहित समाजजन एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

क्रांतिकारियों के शहादत दिवस पर होगा जन गीतों का गायन

मंदसौर। भारतीय जन नाट्य संघ (इप्टा) इकाई द्वारा क्रांतिकारी भगत सिंह, सुखदेव एवं राजगुरु के शहादत दिवस पर 23 मार्च को राष्ट्रीय एवं जंग विरोधी गीतों का गायन होगा। इस आशय का निर्णय इप्टा की बैठक में लिया गया। इकाई अध्यक्ष श्रीमती शोभा कश्यप सचिव सुश्री हूर बानू सैफी ने बताया कि इप्टा ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौर से ही कला और संस्कृति को जन संघर्षों से जोड़ा है। गीतों, नाटकों और रंग कर्म के माध्यम से समाज में समानता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, लोकतांत्रिक मूल्य और विश्व शांति को मजबूत करने का प्रयास किया है। उन्होंने बताया कि 23 मार्च की सायं 5.30बजे पर्यटन स्थल तेलिया तालाब परिसर में शहीदों की स्मृति में जन गीतों का गायन होगा इस अवसर पर भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव की शहादत को याद किया जाएगा। कार्यक्रम में शहर के सुधी श्रोता आमंत्रित हैं। बैठक में इप्टा के पदाधिकारी हेमंत कच्छावा, अदिति शर्मा, लोकेश शर्मा एवं प्रलेसं राज्य सचिव मंडल के सदस्य असअद अंसारी मौजूद थे।

भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव की नगरी में रंगों की ऐतिहासिक गेर

मंदसौर। धुलेंडी पर्व पर इस बार मंदसौर शहर रंगों की ऐसी छटा में सराबोर नजर आया, जिसे लंबे समय तक याद रखा जाएगा। महावीर फतेह करे सेवा संस्था (बालाजी ग्रुप) द्वारा 13वीं विशाल रंगारंग महागैर का आयोजन पूरे उत्साह, अनुशासन और परंपरा के साथ किया गया। विशेष बात यह रही कि बच्चों की परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए इस बार महागेर पूर्णतः डी.जे. रहित निकाली गई, जिसकी शहरवासियों ने खुले मन से सराहना की।

जानकारी अनुसार सुबह 9 बजे भगवान श्री द्विमुखी गणपति मंदिर में संतगणों एवं समाज प्रमुखों की उपस्थिति में विधिवत पूजा-अर्चना कर महागैर का शुभारंभ किया गया। संतों के सानिध्य में बालाजी ग्रुप जिलाध्यक्ष लोकेन्द्र मंगल बैरागी, आयोजन समिति अध्यक्ष कन्हैयालाल सोनगरा सहित समाजसेवियों ने आयोजन की अगुवाई की। मंचीय कार्यक्रम में कथा प्रवक्ता पं. दशरथभाई जी एवं पं. विष्णु शर्मा द्वारा समाजसेवा में योगदान देने वाले प्रमुख नागरिकों का पगड़ी पहनाकर सम्मान किया गया।

ढोल-ताशों की गूंज, युवाओं का उत्साह-बैंड-बाजों, गुजरात के नगाड़ों और मंदसौर के पारंपरिक ढोल की थाप पर जैसे ही गैर आगे बढ़ी, युवाओं की टोलियां उत्साहपूर्वक शामिल होती गईं। शुक्ला चौक पहुंचते-पहुंचते गेर ने विशाल स्वरूप ले लिया। अनुशासन बनाए रखने के लिए ग्रुप के 51 कार्यकर्ताओं की विशेष टोली लगातार व्यवस्था संभालती रही।

महागैर में कृष्ण-सुदामा की मित्रता पर आधारित चलित झांकी आकर्षण का केंद्र रही। फायर फायटर के माध्यम से रंगों की बौछार और तोप से फूलों की वर्षा ने वातावरण को और अधिक रंगीन बना दिया।

31 क्विंटल हर्बल गुलाल, 11 क्विंटल फूलों की वर्षा-आयोजकों के अनुसार इस बार 31 क्विंटल हर्बल गुलाल एवं 11 क्विंटल फूलों का उपयोग किया गया, जिससे पूरा गैर मार्ग रंगों से सरोबार हो गया। विभिन्न स्थानों पर पुष्पवर्षा, गुलाल एवं स्वल्पाहार से गेर का स्वागत किया गया।

भारत माता चौराहा पर रंगारंग समापन

निर्धारित मार्गों से होती हुई महागैर का समापन भारत माता चौराहा पर हुआ। इसके पश्चात बड़े बालाजी मंदिर के बाहर हनुमान चालीसा पाठ के साथ आयोजन सम्पन्न हुआ। महागैर में नगर के वरिष्ठ समाजसेवियों, गणमान्य नागरिकों एवं बड़ी संख्या में नगरवासियों ने सहभागिता की। मंच संचालन वरिष्ठ पत्रकार ब्रजेश जोशी ने किया, जबकि आभार आयोजन समिति अध्यक्ष कन्हैयालाल सोनगरा ने व्यक्त किया। इस बार की महागैर ने यह संदेश भी दिया कि परंपरा, आस्था और सामाजिक जिम्मेदारी के साथ त्योहारों को मनाया जाए तो उत्सव और भी सार्थक बन जाता है।

फाग के गीतों पर झूमी नीमा समाज की महिला शक्ति, धूमधाम से मनाया होली उत्सव

मंदसौर। नीमा समाज की महिलाओं द्वारा स्थानीय 'सेकेंड होम' में फाग महोत्सव एवं होली स्नेह मिलन का भव्य आयोजन किया गया। भक्ति और उल्लास के इस संगम में समाज की महिलाओं ने पारंपरिक फाग गीतों और फूलों की होली के साथ उत्सव को यादगार बनाया। कार्यक्रम नीमा समाज की उपाध्यक्ष मनीषा नीमा की मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान कृष्ण के चित्र पर गुलाल अर्पण कर की गई। आयोजन में वरिष्ठ महिलाओं सहित समाज की 21 सक्रिय सदस्य उपस्थित रहीं, जिन्होंने कार्यक्रम में अपनी ऊर्जा से नई जान फूंक दी।

उत्सव के दौरान महिलाओं ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। फाग महोत्सव में ढोलक की थाप पर पारंपरिक होली गीतों ने समां बांध दिया। उपस्थित महिलाओं ने नृत्य और गीतों के माध्यम से अपनी खुशी का इजहार किया। कार्यक्रम के अंत में समाज की एकता और महिला सशक्तिकरण पर जोर दिया गया। उपाध्यक्ष श्रीमती मनीषा नीमा ने सभी कार्यकर्ताओं और उपस्थित सदस्यों को सफल आयोजन की बधाई देते हुए कहा समाज की एकजुटता ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। भविष्य में भी इसी तरह की रचनात्मक और सांस्कृतिक गतिविधियां निरंतर चलती रहनी चाहिए।

एक नजर भारत माता के जयकारों से गूंज उठा माहौल,

अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद ने किया रिटायर्ड सैनिकों का सम्मान

मंदसौर। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद मंदसौर संगठन एवं शहर पिपलिया मंडी के समाजसेवियों ने भारतीय सेना से सेवा निवृत्त होकर आए दो सैनिकों का भव्य स्वागत सम्मान किया।

सर्वप्रथम सेवानिवृत होकर आए सैनिक गांव तुरकिया के निवासी सैनिक हवलदार राजेंद्र सिंह बोराना 18 वर्ष सेवा उपरांत सेवा निवृत्त हुए जहां मंदसौर रेलवे स्टेशन मंदसौर इकाई द्वारा माला, श्रीफल भेंट कर एवं भारत माता की जयकारों के साथ उन्हें पिपलिया मंडी के लिए रवाना किया गया वहीं एक और सेवानिवृत्ति हुवे सैनिक ग्राम नैनोरा के निवासी सैनिक हवलदार जितेंद्र सिंह शक्तावत अपनी 17 वर्ष भारतीय सेना में सेवा करके रिटायर्ड हुवे जहां पर शहर वासियों एवं ग्राम वासियों द्वारा पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत सम्मान किया गया अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद जिला मंदसौर तहसील मल्हारगढ़ के पूर्व सैनिकों द्वारा सैनिकों को शाल, श्रीफल एवं साफा भेंट कर स्वागत यात्रा प्रारंभ की, दोनों सैनिकों का स्वागत पिपलिया मंडी रेलवे स्टेशन से प्रारंभ होकर पिपलिया मंडी नगर परिषद द्वारा भी सैनिकों का स्वागत सम्मान किया गया।

इसके बाद गांधी चौराहा होते हुए, टीलाखेड़ा बालाजी से अपने-अपने गांव के लिए प्रस्थान किया जहां गांव वासियों ने सैनिकों का बड़े भव्यता से स्वागत जुलूस निकला, सेवानिवृत्ति सैनिकों ने स्वागत रैली में चलते हुए शहर में स्थापित महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया संगठन के तहसील प्रभारी ऋषि राज गुर्जर ने कहा कि भारतीय सैनिक लंबी तपस्या या यूं कहें कि इतने वर्षों के वनवास के पश्चात लौटे हैं भारतीय सैनिक सिर्फ अपने दायित्व से सेवानिवृत होकर होता है उसके अंदर देशभक्ति, जोश, जज्बा, जन सेवा की भावना सदैव जीवित रहती हैं सैनिक जहां रहता है वहां अपने देशभक्ति दिखाते हुए जिस तरह से सीमाओं पर देश की सुरक्षा करता है उसी प्रकार से समाज के बीच में रहकर समाज सेवा करता है बच्चों को युवाओं को अच्छा मार्गदर्शन देकर उनका प्रशिक्षण देते हुए उनको भारतीय सेना में भेजता है।

संगठन के मार्गदर्शक मोहन लाल पंपोडीया, संगठन मार्गदर्शक मानसिंह चौहान, जिला अध्यक्ष मुकेश गुर्जर, जिला उपाध्यक्ष ईश्वर लाल पाटीदार, उप मिडिया प्रभारी राजेंद्र सिंह शक्तावत, मल्हारगढ़ तहसील प्रभारी ऋषि राज गुर्जर, संगठन मंत्री प्रहलाद राठौड़, नरेंद्र खटवड़, जितेंद्र माली, विकास ग्वाल, विकास सिंह सोलंकी, योगेश चौहान, बद्रीलाल सूर्यवंशी, रूपचंद महावर, कमलेश देवड़ा दिनेश पाटीदार अंतिम कुमार ग्वाला रोहित प्रजापत प्रहलाद गुर्जर, धर्मेंद्र सोनगरा, मुकेश सोलंकी, दिलखुश गुर्जर सहित पूर्व सैनिक उपस्थित रहे।

नीमच

एक नजर में

नीमच में 65 ग्राम सोना चोरी का सनसनीखेज खुलासा, मुनीम ही निकला मास्टरमाइंड, चंद घंटों में पुलिस ने खोली पोल

नीमच। नीमच शहर में दिनदहाड़े 65 ग्राम सोना चोरी की वारदात का पुलिस ने महज कुछ घंटों में खुलासा कर दिया। मामले में चौंकाने वाला तथ्य सामने आया कि चोरी की कहानी बताने वाला व्यक्ति ही इस घटना का आरोपी निकला। पुलिस ने उसके कब्जे से करीब 12 लाख रुपये कीमत का 65 ग्राम सोना बरामद कर लिया है। पुलिस के अनुसार 2 मार्च 2026 को फरियादी मनीष पिता बालकिशन सिंह (56), निवासी तिलक मार्ग नीमच ने थाना नीमच कैंट में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनकी दुकान से 65 ग्राम सोना चोरी हो गया है। फरियादी ने बताया था कि यह सोना टेस्टिंग के लिए भेजा गया था और वापसी के दौरान अज्ञात व्यक्ति ने उसे चुरा लिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में थाना नीमच कैंट और साइबर सेल की संयुक्त टीम गठित की गई। टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले और तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया। जांच के दौरान घटनाक्रम संदिग्ध पाया गया। पूछताछ में सामने आया कि दिलखुश पिता शांतिलाल नागदा (35), निवासी ग्राम बिसलवास बामनिया, थाना नीमच सिटी ने अपने सेठ द्वारा दिए गए सोने को हड़पने के उद्देश्य से झूठी चोरी की कहानी गढ़ी थी। उसने स्वयं ही मनगढ़ंत घटना बनाकर पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की।

सर्विस सेंटर पर गैस लीकेज से मारुति वैन में लगी आग, सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

नीमच। केंट थाना क्षेत्र अंतर्गत महू रोड स्थित ए टू जेड कार वॉशिंग व सर्विस सेंटर पर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक एलपीजी गैस किट लगी मारुति वैन में अचानक आग लग गई। घटना के समय वाहन में मेकेनिकल संबंधी कार्य किया जा रहा था। बताया जा रहा है कि काम के दौरान गैस लीकेज हो गया, जिससे वैन में अचानक आग की लपटें उठने लगीं। आग लगते ही सर्विस सेंटर पर मौजूद कर्मचारियों और ग्राहकों में हड़कंप मच गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए वहां मौजूद लोगों ने तुरंत सतर्कता दिखाई और उपलब्ध संसाधनों की मदद से आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। उनकी सूझबूझ और तत्परता के चलते आग पर जल्द ही काबू पा लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, हालांकि वाहन को आंशिक नुकसान पहुंचा है। यदि समय रहते आग पर नियंत्रण नहीं पाया जाता तो आसपास खड़े अन्य वाहनों और लोगों के लिए बड़ा खतरा उत्पन्न हो सकता था।

गेहूं की कटाई ने पकड़ी रफ्तार, मंडियों में आवक तीन गुना बढ़ी

- कई किसान नई उपज लेकर पहुंच रहे मंडियों में,
- सरकारी खरीदी के अभी पंजीयन ही हो रहे

नीमच। जिले में रबी सीजन की प्रमुख फसल गेहूं की कटाई का दौर शुरू हो गया है। कई क्षेत्रों में कटाई कार्य तेजी से चल रहा है वहीं देरी से तैयार होने वाली किस्म के गेहूं को पकने में अभी समय है।

उपज निकालने के बाद कई किसान कृषि उपज मंडियों का रुख भी कर रहे हैं। हालांकि उनको यहां अपेक्षाकृत कम दाम मिल रहे हैं जिससे किसानों में निराशा है। जिला मुख्यालय स्थित कृषि उपज मंडी में एक पखवाड़े के अंदर गेहूं की आवक तीन गुना बढ़कर करीब 10 हजार बोरी के लगभग पहुंच गई है। गेहूं की आवक में पिछले कुछ दिनों में बढ़ोतरी जरूर हुई है लेकिन पुराना गेहूं ही अधिक आ रहा है। लगभग 20 प्रतिशत तक नए गेहूं की आवक शुरू हुई है। होली के बाद इसमें तेजी से बढ़ोतरी होने की संभावना है।

वर्तमान में गेहूं का मॉडल रेट 2200 रुपये प्रति क्विंटल के आसपास मिल रहा है। वहीं न्यूनतम भाव 2000 से लेकर अधिकतम 2900 रुपये के बीच रहता है। उधर प्रदेश सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी के इंतजामों के तहत अभी पंजीयन की ही प्रक्रिया चल रही है। इसके लिए अंतिम तिथि सात मार्च निर्धारित है। इस वर्ष 2585 रुपये प्रति क्विंटल की दर से समर्थन मूल्य पर खरीदी की जाना है।

थडोली के किसान दिलीप ने बताया क्षेत्र में पिछले करीब 10 दिनों से गेहूं कटाई का कार्य चल रहा है। शादी-ब्याह व त्योहारी सीजन के चलते किसानों को रुपयों की आवश्यकता रहती है, ऐसे में कई किसान उपज निकालकर मंडी में बेचने जा रहे हैं, वहां अपेक्षाकृत कम भाव मिल रहे हैं। सरकार को समर्थन मूल्य की खरीदी फरवरी माह से ही शुरू कर देना चाहिए। अभी तो पंजीयन ही चल रहे हैं।

38 केंद्रों पर चल रहा पंजीयन

पंजीयन समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी के लिए चल रहे पंजीयन के तहत जिले के 38 पंजीयन केंद्र स्थापित किये गए है। यहां किसानों का निशुल्क पंजीयन करवाया जा रहा है। इस वर्ष सभी किसानों को नवीन पंजीयन कराना अनिवार्य होगा। पूर्व में कराये गये किसान पंजीयन मान्य नहीं होगें। नवीन पंजीयन कराते समय कृषक निर्धारित आवेदन पत्र के साथ बैंक खाता, आधार नम्बर एवं ऋण पुस्तिका की छायाप्रति संलग्न करेगा। यदि कृषक द्वारा भूमि शिकमी पर ली गई है तो शिकमी अनुबंध-पत्र की प्रति भी प्रस्तुत करना होगा।

जगह-जगह हुआ होलिका दहन, ग्रहण के कारण आज मनेगी धुलेंडी

नीमच। शहर और अंचल में सोमवार रात होलिका दहन का पर्व पारंपरिक श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक इस उत्सव पर नीमच के कैंट, सिटी और बघाना थाना क्षेत्रों में कुल 185 स्थानों पर होलिका प्रज्ज्वलित की गई। कई रिहायशी इलाकों में रात 8 से 9 बजे के बीच दहन की रस्म पूरी की गई, जबकि शहर के मुख्य चौराहों और सार्वजनिक स्थलों पर श्रद्धालुओं ने शुभ मुहूर्त का इंतजार किया। यहाँ देर रात 1.30 बजे के बाद विधि-विधान से अग्नि प्रज्ज्वलित की गई।

नगर के प्रमुख कुम्हारा गली चौराहे पर विशेष आयोजन हुआ। यहाँ एक व्यक्ति ने सांकेतिक रूप से भक्त प्रहलाद का रूप धारण कर होलिका की पूजा-अर्चना की। इसके बाद वैदिक मंत्रोच्चार के बीच होलिका दहन किया गया और उपस्थित जनसमूह ने परिक्रमा कर सुख-समृद्धि की कामना की। पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। पुलिस की मोबाइल पार्टियां देर रात तक शहर और ग्रामीण इलाकों में गश्त करती रहीं।

इस वर्ष खगोलीय घटनाक्रम और ग्रहण के प्रभाव के कारण धुलेंडी के त्योहार की तिथि में बदलाव किया गया है। पंचांग की गणना के अनुसार, रंगों का उत्सव मंगलवार को न मनाकर आज बुधवार 4 मार्च को मनाया जाएगा। इस बदलाव को लेकर युवाओं और बच्चों में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

एक नजर विधानसभा के तारांकित प्रश्न एवम शून्यकाल में विधायक परिहार ने उठाया अशुद्ध पानी से निर्मित आईस्क्रीम और एक्सपायर पैकेज्ड फूड का मामला

विधायक ने नीमच जिला जीबीएस वायरस की चपेट में आने की आशंका जताई

नीमच। विधायक दिलीपसिंह परिहार ने विधानसभा के तारांकित प्रश्न क्र. 3270 के माध्यम से एवं शून्यकाल में राजस्थान से मध्यप्रदेश के नीमच जिले के ग्रामीण अंचलों तक धडल्ले से खपाए जा रहे एक्स्पायरी डेट के पैकेज्ड फूड और गंदे पानी से बने खाद्य पदार्थों का मामला उठाया और बताया कि नीमच जिले के जीबीएस वायरस की चपेट में आने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने सदन को बताया कि वे लगातार तीन विधानसभा सत्रों से इस मुद्दे को उठा रहे हैं। शासन को अविलम्ब इस ओर ध्यान देना चाहिए। साथ ही श्री परिहार ने शून्यकाल में पालसोडा के आसपास के लगभग 15 गांवों में ओला पीडित किसानों के मुद्दे को भी उठाया और जल्द किसानों को राहत देने की मांग की।

श्री परिहार ने राजस्थान से सटे मध्यप्रदेश के नीमच जिले के ग्रामीण अंचलों तक अधिकारियों-कर्मचारियों की लापरवाही से धडल्ले से खपाए जा रहे एक्स्पायरी डेट के पैकेज्ड फूड और गंदे पानी से बने खाद्य पदार्थों के कारण अंचल में जीबीएस वायरस की आशंका भी व्यक्त की।

श्री परिहार ने सदन में बताया कि मध्यप्रदेश से सटे राजस्थान के चित्तौडगढ, उदयपुर, निम्बाहेडा के रास्ते नीमच जिले के ग्रामीण अंचलों में एक्स्पायरी डेट के बच्चों के पैकेज्ड फूड आ रहे हैं, विश्वस्त सूत्रों से ज्ञात हुआ कि इनके माध्यम से जीबीएस वायरस का प्रवेश हो रहा है। अधिकारियों कर्मचारियों की लापरवाही से यह काम हो रहा है। रात के अंधेरे में गाडियां आती हैं, एक्स्पायरी डेट का बिना टेस्टिंग माल, नीमच जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में बडी मात्रा में खपाया जा रहा है। न तो इन खाद्य पदार्थों का परीक्षण हो रहा है, न लेबोरेट्री रिपोर्ट और न ही अधिकारी कर्मचारी इसकी जांच करते हैं। जीबीएस वायरस अशुद्ध पानी और अशुद्ध अधपके खाद्य पदार्थों से होता है। बाहरी बडी कम्पनियों की जांच की जाना चाहिए। स्थानीय स्तर पर भी रेण्डमली जांच होना चाहिए। गाडियों को पकडकर मौके पर ही जांच होना चाहिए। राज्य स्तरीय प्रयोगशाला की रिपोर्ट ली जाना चाहिए कि कौन से खाद्य पदार्थ खाने लायक हैं। उच्च स्तरीय जांच करवाई जाए, स्थानीय स्तर पर अधिकारी कर्मचारियों की इस गोरखधंधे में लापरवाही हो रही है। विधायक श्री परिहार ने आशंका व्यक्त की कि स्थानीय अधिकारियों कर्मचारियों की लापरवाही से अशुद्ध पानी और गंदे खाद्य पदार्थों की सप्लाई से अंचल में जीबीएस वायरस हो सकता है। अंचल में पहले जीबीएस वायरस नहीं था। केमिकल, प्रिजर्वेटिव और तय मानक अवधि के बाद खाद्य पदार्थ जहर बन जाता है। महीनों तक फ्रीज में रखी हुई आईस्क्रीम और कुल्फियों के कारण अंचल में जीबीएस वायरस का प्रकोप बढ सकता है।